धारचूला में भूस्खलन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखंड के **पिथौरागढ़ ज़िले में धारचूला जाने वाली सड़क** पर भीषण [भूस्खलन]() के कारण सड़क पूरी तरह से **अवरुद्ध** हो गई है।

- [अत्यधिक वर्षा]() के कारण उत्तराखंड में छह राजमार्ग और 96 सड़कें बंद हैं। भूस्खलन के कारण 47 ग्रामीण सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं।

मुख्य बिंदु:

- **अत्यधिक वर्षा के कारण भूस्खलन और [दुर्घटनाएँ]()** होती हैं, जो हर मानसून में उत्तराखंड के लिये एक बड़ी चुनौती बन जाती है।
  - वर्ष 2023 में जून से सितंबर तक लगभग 100 लोग मारे गए और कई लापता हो गए।
- मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने **[मानसून]() के दौरान सभी ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा ऑडिट कराने का आह्वान किया** तथा **विद्युत उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये राज्य में औद्योगिक संस्थानों के तीव्र विकास का आग्रह किया।**

भूस्खलन

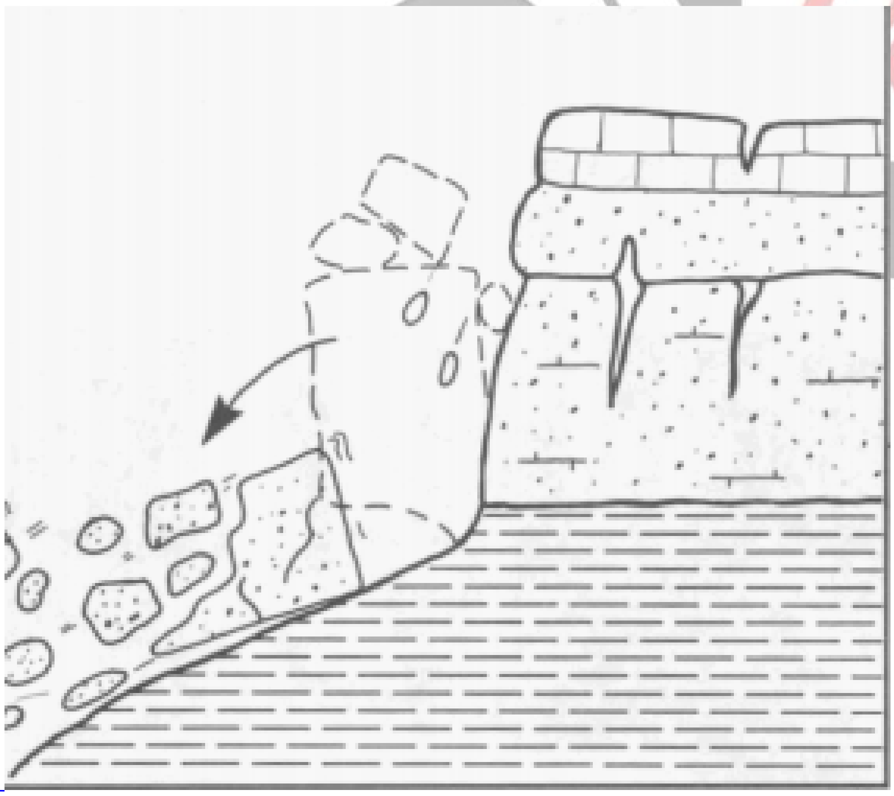
//

- **[भूस्खलन]() को चट्टान, मलबे या मृदा के द्रव्यमान का ढलान से नीचे खिसकना** कहा जाता है।
- वे **एक प्रकार का सामूहिक क्षय** है, जो गुरुत्वाकर्षण के प्रत्यक्ष प्रभाव के तहत मृदा और चट्टान के नीचे की ओर होने वाले किसी भी प्रकार के संचलन को दर्शाता है।
- **भूस्खलन शब्द में ढलान की गति के पाँच प्रकार शामिल हैं: गिरना, लुढ़कना, खिसकना, फैलना और बहना।**
- **कारण:**

- ◦ **जब नीचे की ओर कार्य करने वाले बल** (मुख्यतः गुरुत्वाकर्षण के कारण) ढलान बनाने वाले पृथ्वी के घटकों की ताकत से अधिक हो जाते हैं, तो **ढलान विस्थापन** होता है।
- ◦ भूस्खलन तीन प्रमुख कारकों के कारण होता है: [भूविज्ञान], [आकृति विज्ञान] **और मानवीय गतिविधि।**
  - **भूविज्ञान** सामग्री की विशेषताओं को संदर्भित करता है। धरती या चट्टान दुर्बल या खंडित हो सकती है या अलग-अलग परतों में **भिन्न-भिन्न ताकत और कठोरता** हो सकती है।
  - **भूमि की संरचना को आकृति विज्ञान** कहा जाता है। उदाहरण के लिये भूस्खलन की संभावना उन ढलानों पर अधिक होती है, जहाँ आग या सूखे के कारण वनस्पतियाँ नष्ट हो गई हों।
    - ◦ वनस्पति मृदा को अपने स्थान पर बनाए रखती है और पेड़ों, झाड़ियों तथा अन्य पौधों की जड़ प्रणालियों के बिना, भूमि के खिसकने की संभावना अधिक होती है।
  - **मानवीय गतिविधियाँ,** जिनमें कृषि और निर्माण शामिल हैं, भूस्खलन के जोखिम को बढ़ाती हैं।

- **भूस्खलन-प्रवण क्षेत्र:**
- संपूर्ण **हिमालयी** क्षेत्र, **पूर्वोत्तर भारत के उप-हिमालयी इलाकों की पहाड़ियाँ/पर्वत, पश्चिमी घाट, तमिलनाडु के कोंकण क्षेत्र में नीलगिरी** भूस्खलन-प्रवण हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/landslide-in-dharchula